

यथादिनमेयनि कादियन॥ श्रीरावा वनि कि नू मसव क पायु जदि श्रि ग्ध॥ धनयावु राव नरामि नरय सुव ॥ यव दान श्रीलिंग इल ॥ ॥ उ सा दिष
 नि नू मी ग्य साव वन य ल हिल ॥ धनवु श्रीलिंग इव द ॥ ॥ गली जयां प ह न र व न मी द्वा पा ल्वा दि की ॥ गु उ ज ग मु या द क्र गा की ज मी द्वा य वु श्री
 लिंग ॥ ॥ य (२३ ३४) सा क्रिया र्था वे द्वा धु या ना हि रु रु धी ॥ को ग या रा व घ (२३ ३४) ॥ धरु गे म रा व घ (२३ ३४) न या क न की ज नरय सुन य य वि स्य
 गया द्वा क वु श्रीलिंग ॥ रा गु या ग स सा न लू र्थ क्र गा की ज ॥ न ॥ पा ना ॥ ॥ धन पा ना व मृ ग या न ल ॥ ॥ य व वि दि क ॥ सं वा न वा य क क्र गा
 न रु उ रु या न ल पा ना दि ना ॥ धन वु श्रीलिंग ॥ ॥ श्री स्था न क वि ग मृ म्भ स्था दि गि मि क्ता ॥ य य यदि श्रीलिंग शयु ग्व ल छि नां थ य स प न ग म ल
 नरादि न रु मा मी क्ता ॥ यदि या द पु न व त ॥ लं का ॥ लं का थ या नो म ॥ से रु लि का ॥ न लि ॥ सह लि स्त्रान ॥ टी का नर य थ या ॥ धन की ॥ य लि ॥ य वि स्त्रान ॥
 यं जि का ॥ ५ ॥ यं जि ॥ पां ज ल इ व ॥ नरा रु की ॥ नरा उ ॥ सि य का ॥ थं थ ल ॥ थं ॥ सानि का ॥ क स मि लि ॥ हि क्ता ॥ हि क्ता व व ॥ य वि क ॥ या वि न ॥ उ ल्का ॥ उ

लका॥ पिपिलिका॥ सी॥ ॥ कृष्णि॥ निन्दकी॥ गणसि॥ गनमासि॥ कसिका॥ काविवा॥ रंगी॥ दका॥ सूनीगा॥ पंसर्वद॥ आदिपर्वद॥ गूनी॥ मूनी॥
निकन॥ सयगक॥ साठय॥ साठी॥ साठिवमु॥ लपनवू॥ पिच्छा॥ असखाद्रिया॥ विगछा॥ मवनझायाखं॥ डिवमजिव॥ अव॥ इमविका॥ किंकि॥ स्थ॥ शोवि
यागं॥ काकिनी॥ कवलि॥ कृष्ण॥ वूनयाडा॥ सीखासं॥ इव॥ सी॥ वा॥ डली॥ दं॥ ग॥ रुद्रि॥ सागीवमु॥ क॥ सी॥ कं॥ ॥ का॥ खाया॥ गथा॥ थ॥ धन॥
न्यासन्दी॥ सनियला॥ पक्षि॥ दयका॥ क॥ यजी॥ मंगल॥ नाली॥ ह्यं॥ दू॥ रुमनी॥ गवर्थ॥ ट॥ ना॥ रुसरे॥ ना॥ रुसला॥ कृदिनी॥ ख॥ प॥ डि॥ क॥ ॥ इ॥ ला॥ रु॥ य॥ ॥
लीला॥ कनी॥ य॥ मध॥ वा॥ वाक॥ न्याडा॥ या॥ ला॥ न्याडान॥ रु॥ ॥ प॥ य॥ डि॥ ना॥ नाम॥ मू॥ ल॥ नी॥ मा॥ स॥ नि॥ य॥ द॥ नी॥ या॥ र्वनी॥ नाम॥ वि॥ ग॥ वा॥ ग॥ व॥ खा॥ ख॥ ल॥ हा॥ ना॥ ॥
वा॥ या॥ का॥ ल॥ हा॥ ना॥ ल॥ ग॥ ॥ सूर्य॥ ल॥ ग॥ ॥ दि॥ ल॥ ग॥ ॥ सि॥ य॥ ला॥ गि॥ लि॥ व॥ य॥ सि॥ सा॥ ला॥ का॥ ला॥ हा॥ ॥ लि॥ खा॥ वा॥ या॥ ग॥ दु॥ घा॥ कृ॥ य॥ ल॥ ल॥ ख॥ न॥ ना॥ वा॥ ला॥ ग॥ य॥ सी॥
ग॥ य॥ सी॥ वा॥ ग॥ थ॥ का॥ का॥ काम॥ डि॥ व॥ वा॥ ग॥ य॥ म॥ सी॥ या॥ ग॥ ल॥ म॥ सी॥ म॥ सि॥ या॥ ना॥ म॥ ॥ य॥ न॥ मु॥ लि॥ ग॥ वू॥ दि॥ न॥ द॥ ॥ ॥ प॥ ख॥ स॥ र॥ दा॥ नू॥ या॥ ॥ म॥ लि॥ ग॥ र॥ द॥ या॥

नरुवनवधायन॥सुययाया॥ययायायव॥सुना॥सुना॥ध॥सुवयानाम॥या॥मा॥यहु॥नरुडिायवग॥मद्या॥सु॥नरुडिाद॥उ॥सिमा॥कालाव
ल॥सुना॥खंउवना॥नरुलय॥ध॥कन॥लाहाग॥ग॥हु॥दंगाउ॥उ॥हा॥क्रुपुसि॥दाना॥वा॥हि॥उ॥दना॥वा॥क॥घा॥गल॥क॥गा॥सं॥नखा॥लुसि॥सुन॥
इ॥इ॥ध॥नरुका॥दिन॥रु॥गं॥दा॥नरुका॥लि॥याग॥भा॥का॥क॥जा॥खंउव॥रु॥का॥रुसि॥पा॥गी॥वा॥क्रु॥स॥नरुका॥नरुका॥पा॥का॥क्रु॥व॥व॥वि॥न॥न॥नरुसं॥ख॥का॥
दिय॥म॥जि॥व॥नरुदि॥का॥ग॥मी॥म॥न॥व्या॥पिं॥ध॥मं॥ध॥ध॥नरुदि॥न॥नि॥र्या॥सा॥खा॥क॥ह॥व॥नि॥न॥सा॥सु॥य॥ग॥व॥नरुस॥ना॥व्या॥य॥नरुका॥लि॥वा॥नरुवा॥धि॥ता॥सु॥
ना॥नं॥ग॥नं॥म॥इ॥ध॥न॥व॥य॥लि॥ग॥॥वि॥अ॥न॥व॥उ॥क॥ग॥लि॥उ॥उ॥म॥नि॥व॥रु॥नि॥व॥रु॥हि॥सा॥गा॥उ॥ग॥या॥न॥वि॥ना॥म॥क॥॥सु॥ना॥रु॥वि॥ना॥म॥क॥
क॥न॥उ॥नरुका॥न॥क॥ध॥ध॥खं॥गा॥वा॥हि॥क॥न॥उ॥नरुका॥उ॥ना॥दि॥का॥का॥व॥प॥लि॥ग॥॥क॥व॥सा॥य॥व॥य॥उ॥म॥ना॥रु॥म॥न॥उ॥या॥का॥सु॥य॥ग॥क॥अ॥ध॥अ॥ध॥
य॥आ॥द॥का॥ग्य॥गु॥ति॥लि॥ध॥ह॥न॥नरुमी॥नरुया॥ध॥क॥व॥सा॥ध॥न॥उ॥या॥मा॥स॥ध॥ल॥नरुका॥ना॥क॥दा॥क्रु॥व॥य॥लि॥ग॥॥नरुथ॥य॥ध॥ना॥य॥उ॥या॥म॥स॥टा॥दं॥दी॥

उपाका। छ। रिने॥ (ग। जा। जि। कृ। ग। क। रा। दि। न। य। व। क। ग। क। यि। य। न। य। स। ट। ध। उ। पा। क। स। (या। स। न। र। द। क। ल। ग। उ। ना। म। व। न। स। ना। म। ह। व। द्वा। क्क। र्वं। पू। लिं। ग। ॥
 (ग। त। न। रा। ख। या। ॥ खं। द्वा। या। ॥ च। न। ध। क्क। या। ॥ गं। म। उ। ख। ॥ ॥ ॥ ना। स्मि। क। र्क। नि। ला। व। व। ॥ द्वा। क्क। उ। प्र। द्वा। य। च। ना। म। स। क। ल। म। ह। व। ॥ ला। व। म। ह। व। ॥ न। र। उ। न। र। य। न। र। य।
 न। द। म। घ। न। र। य। व। ॥ य। न। य। ख। य। ॥ य। न। र्वं। पू। लिं। ग। ॥ ॥ सू। ४। क। र्क। नि। म। नि। र्क। वा। रू। य। ख। य। वि। लं। क। र्क। मि। य। व। ॥ सू। ४। कि। र्क। मि। क। र्क। मि। ह। व। लू। य। ख। य। न। य। य।
 क। न। स। ॥ सू। १। लो। न। ना। द। वं। ॥ पू। लिं। ग। ॥ ॥ ॐ। म। मि। जा। वं। ॥ ला। व। स। ह। वा। ॐ। नि। वा। पू। लिं। ग। ॥ ॥ का। द्वा। ४। कि। ४। या। दि। ता। १। म्भ। न। ४। का। टि। ग। पू। स। य। न। रा। दि। स। कि। ४।
 य। ख। य। ॥ न। र। या। दि। या। क। न। न। ह। वं। कि। ४। य। ख। य। पू। लिं। ग। ॥ ॥ द्वा। द्वा। यं। द्वा। उ। वा। वं। य। स। मा। ह। नं। ॥ द्वा। द्वा। स। मा। स। स। क। र्क। य। ख। य। का। वं। ॥ ॥ द्वा। द्वा। १। ग्वा। वं। उ। वा। ॥ द्वा। द्वा।
 स। मा। स। स। पू। लिं। ग। ॥ ॥ न। र। यं। उ। वा। मं। स। मा। हि। ना। स। मा। ह। नं। वा। यं। स। मा। स। स। क। लं। पू। लिं। गं। म। ह। वं। ॥ ॥ का। नं। ४। स। यं। नू। यं। या। य। ॥ का। नं। ४। स्वा। मि। सूर्य। का। ना। वं।
 लु। का। नि। ॥ पू। र्वा। यं। ४। पू। र्वं। का। शि। यं। वा। पू। र्वं। ४। क्क। वं। र्वं। वि। ने। यं। या। नं। क्क। वं। ॥ पू। र्वं। न। र। यं। ४। पू। र्वं। का। यि। वं। ॥ सूर्य। चं। द। स। ना। मं। पू। र्वं। धं। लं। का। नं। गं। द्वा। यं। न। र। यं। स। पू। र्वं।

[illegible]

लससिखडाहिंशुलहिंशुनि॥यंगलावकुनामदलशमंगल॥यगावाहग॥रुल॥वालाउ॥मलायामालसमिया॥मिसाखिनि॥मिमालिया॥यना
 दासाइथ॥यकपाजायक्याक्रीनडा॥मं॥पदिमडाखेउ॥कुल्लाया॥पकुमास॥मासखिवलि॥नरुसव्वी॥गंगन॥गुफा॥सकटाहडासकट॥यगा
 यरुडा॥धनपुलिंगनडागवडा॥॥दिहोनवखानि॥दिहोनापुलिंगा॥मुलिंगा॥दिहोनाधनगुलामदा॥नन्यवमया॥खानि॥ध्या॥खाख॥
 ॥यकु॥रुल॥गुल्लिगुलादि॥मनषस्यादा॥रुलाविया॥गुल॥खगु॥रुपटि॥हिमादक॥वाधलखा॥गीगाधा॥उषा॥मलाभा॥मांसाला॥॥॥
 नविनाहि॥मूषा॥खा॥न॥रुकि॥मिखा॥उविनी॥न्याव॥वली॥वसलाक॥रुला॥हाला॥रुमाला॥गुल्लिगुल॥लाह॥न्या॥सुखा॥सुख॥॥॥
 खाकड॥गुल॥हिंया॥नरुगुला॥मलिं॥य॥उला॥लखा॥पु॥यानि॥खान॥नवसी॥वि॥यंजनानि॥यं॥नरुलयनी॥वग॥सुगच्छदि॥सुवायावमु॥ध
 ननयसकलिं॥॥काद्या॥काटि॥मनादि॥नवदि॥दादिनखाख॥संख्यानि॥खाख॥संख्या॥खालियगधरगु॥इने॥मयादि॥जिदासध॥

धनविकल्पा॥॥संख्या॥खावालकाग्नि॥युगवयन॥याथाननयधदव॥लकारि॥नरुगु॥दि॥॥दुका॥वगुलि॥मसि॥मसिया॥नाम॥समूत्रनो॥
 ककुके॥सुवायादा॥यदना॥न॥गुल्लिगुल॥नरुके॥नि॥कर्ममयव॥दाउम॥नरुसक॥सक॥उसक॥नरुसक॥नाक॥कमिशव॥नयसकलिं॥॥॥
 जाके॥मसुमे॥न॥नरुलायवा॥लिथया॥न॥दुधउपया॥गि॥दि॥रि॥मन॥खा॥न॥रु॥न॥स॥गु॥वा॥वि॥वि॥न॥॥संख्या॥नि॥खा॥खा॥द॥ने॥या॥॥जा॥न॥सं॥उ॥पा॥न॥
 गि॥दि॥सं॥खा॥॥पु॥व॥स॥ध॥ल॥ना॥उ॥॥ध॥न॥य॥न॥य॥स॥क॥लिं॥॥॥॥फा॥ग॥ध॥न॥का॥॥दि॥गु॥ल॥का॥न॥सा॥द॥न॥ग॥॥पा॥ग॥दि॥न॥फ॥स॥न॥ग॥न॥स॥य॥य॥स॥॥
 कार्यगदम॥दि॥गु॥स॥मा॥स॥स॥ल॥क॥न॥द॥स॥सा॥व॥ग॥न॥स॥य॥क॥॥पा॥ग॥दि॥रु॥का॥ना॥न॥सं॥खा॥पु॥व॥स॥॥धा॥ल॥स॥मा॥हा॥न॥स॥मा॥सा॥या॥दा॥न॥य॥स॥क॥लिं॥॥॥॥
 गु॥या॥नो॥पा॥ग॥सा॥स॥मा॥हा॥न॥॥॥गि॥या॥॥॥न॥व॥॥जि॥रु॥प॥ने॥॥व॥रु॥य॥गं॥॥॥द॥द॥॥क॥ला॥य॥सि॥हा॥वो॥द॥द॥॥द॥द॥स॥मा॥सा॥॥उ॥क॥ला॥उ॥उ॥जि॥स॥॥न॥रु॥य॥यो॥रा॥वा॥न॥
 य॥यो॥रु॥यि॥व॥॥स॥मा॥हा॥न॥वा॥य॥स॥मा॥स॥रु॥का॥ल॥न॥रु॥य॥यो॥रा॥व॥स॥मा॥स॥रु॥का॥ले॥नो॥न॥य॥स॥क॥लिं॥॥॥॥न॥रु॥दि॥न॥रु॥ते॥॥उ॥य॥सं॥रु॥॥॥य॥थ॥॥सं॥ख्या॥य॥या॥ल॥न॥॥

गित्तादिनसंयत्तयिया नृत्त॥ नृत्तयशमभाक॥ गालुवषायाखन॥ कवीर्षा॥ सखिया॥ गवभससि॥ कर्मशाय्यापात्र॥ दवयजादि॥ कस्मावशाय्या॥ पात्राव
 नीखाक्रिया॥ नामन॥ यलगचर्षा॥ साकययका॥ यगसि॥ यनाक॥ सुद्रुतपवीसवग॥ वर्यरिद॥ कविर्षा॥ चिनसव॥ यधुग॥ कर्मशक्रिया॥ क
 प्यमिठकपाग॥ पात्रावोर्व॥ समुद्रयितापिता॥ यगचर्षा॥ यगसि॥ कवेवो॥ यवी॥ यषेनिदथसस्वोदार्मि॥ यद्रुयापगुयेयाकिलि॥ लभविवाहसदधम
 सात्रयाकिलि॥ यशव॥ वाहोदो॥ लं॥ रवहाकापागीर्य॥ विषयोर्षा॥ रिद॥ जेन॥ यवी॥ यमकिलि॥ वेमसशाय्यागूला॥ यिद्रुसो॥ वेकना॥ पटप्यन॥ नृद
 वाहो॥ नृदवादिमद्यस॥ यगादीनां॥ धने॥ नृदिन॥ वेकनायिदाकयावी॥ यस्त्रादी॥ पं॥ लि॥ गदि॥ वेदिनी॥ शंय॥ ववी॥ नि॥ यया॥ धन॥ वे॥ पं॥ लि॥ गं॥ ११७
 नं॥ पं॥ ग॥ क॥ लि॥ ग॥ पं॥ लि॥ ग॥ नं॥ पं॥ स॥ क॥ लि॥ ग॥ नृद॥ यगादि॥ नृत्ताक॥ मिहलि॥ ऊ॥ र्यि॥ धने॥ द्वायावना॥ मद्राया॥ लि॥ ग॥ यद॥ थी॥ ग॥ द्वा॥ य॥ ध॥ य॥ न॥ ल
 काविले॥ ववगा॥ विले॥ वव॥ रु॥ व॥ यो॥ उ॥ ध॥ न॥ के॥ द्वा॥ र्यि॥ ह॥ म॥ द्वा॥ य॥ स॥ न॥ न॥ स॥ र्यि॥ ह॥ ॥ पं॥ लि॥ ग॥ नं॥ पं॥ स॥ क॥ लि॥ ग॥ नृद॥ स॥ म॥ रु॥ ल॥ मे॥ वे॥ य॥ ग॥ पा॥ मे

किमवदर्थदय॥ ॥ श्रीयस्यानयस्यान्ता॥ श्रीसिंहपं॥ लि॥ ग॥ रु॥ य॥ नृपत्यपत्ययसिवसा॥ श्रीयस्यकयाविद्यगत्याका॥ श्रीसिंहपं॥ लि॥ ग॥ स॥ द॥ व॥ वा
 र्य॥ नृत्त॥ प॥ त्य॥ य॥ भा॥ य॥ या॥ नाम॥ स॥ उ॥ य॥ गु॥ ग॥ व॥ नृ॥ दि॥ न॥ उ॥ य॥ ल॥ न॥ य॥ त्य॥ उ॥ य॥ ग॥ व॥ ॥ धि॥ श॥ म॥ न॥ य॥ आ॥ दि॥ न॥ क॥ ०॥ न॥ थ॥ ल॥ ॥ धि॥ श॥ नि॥ गु॥ जि॥ ॥ य॥ उ॥ श॥ यि॥ व॥ ०॥ न
 वा॥ वा॥ सा॥ नृ॥ दि॥ न॥ ॥ ष॥ द्वा॥ द॥ श॥ गु॥ म॥ ने॥ उ॥ न॥ ग॥ शा॥ वि॥ ॥ ध॥ न॥ श्री॥ लि॥ ग॥ पं॥ लि॥ ग॥ शा॥ ॥ जा॥ गि॥ रु॥ दा॥ श॥ म॥ न॥ य॥ आ॥ दि॥ जा॥ गि॥ रु॥ द॥ ॥ जा॥ गि॥ रु॥ दा॥ श॥ य॥ मा॥ र्वा॥ ग्या॥ नृ॥ र्वा॥ द्वा॥ य॥ ॥
 ष॥ धि॥ श्वा॥ ग॥ य॥ शा॥ ष॥ छी॥ स्वा॥ गि॥ स्वा॥ गि॥ न॥ रु॥ ग॥ की॥ ट॥ हा॥ क॥ उ॥ ॥ वृ॥ ग्धि॥ क॥ श॥ वि॥ द्वा॥ ॥ जा॥ गि॥ रु॥ दा॥ ॥ ध॥ न॥ लि॥ ग॥ श्री॥ जा॥ गि॥ नाम॥ य॥ नृ॥ य॥ शा॥ ॥ या॥ ग॥ श॥ य॥ न॥ स॥ रु॥ ॥ स॥ र्वा॥
 ग॥ म॥ स॥ व॥ हा॥ मा॥ स॥ य॥ या॥ या॥ श्वा॥ नाम॥ क॥ ग्धि॥ ल॥ नृ॥ य॥ र्वा॥ र्वा॥ या॥ छी॥ ॥ म॥ नि॥ श॥ ना॥ न॥ दा॥ दि॥ ग॥ य॥ त्य॥ ॥ व॥ ना॥ ट॥ क॥ श॥ क॥ व॥ जि॥ ॥ ग्धि॥ श॥ स्वा॥ गि॥ न॥ रु॥ ग॥ ॥ व॥ धि॥
 क॥ श॥ नृ॥ र्वा॥ न॥ जा॥ गि॥ वे॥ ग॥ ॥ जा॥ य॥ न॥ श॥ य॥ र्वा॥ स॥ र्वा॥ ग॥ नृ॥ र्वा॥ म॥ न॥ श॥ र्वा॥ य॥ उ॥ ॥ म॥ नृ॥ र्वा॥ ना॥ ट॥ क॥ स्वा॥ गि॥ व॥ रु॥ का॥ पा॥ ट॥ लि॥ म॥ उ॥ श॥ पा॥ य॥ न॥ न॥ ॥ ध॥ न॥ वे॥ पं॥ नृ॥ य॥ लि॥ ग॥ शा॥
 ॥ ॥ मृ॥ र्वा॥ रु॥ न॥ र्वा॥ ॥ रु॥ पा॥ टी॥ ॥ रु॥ ल॥ हं॥ दा॥ सा॥ यि॥ ॥ क॥ र्क॥ र्वा॥ व॥ य॥ न॥ ॥ के॥ ०॥ का॥ ल॥ स॥ ॥ य॥ छी॥ ॥ उ॥ रि॥ क॥ शि॥ ना॥ ता॥ मा॥ मा॥ टी॥ सा॥ रि॥ व॥ रु॥ ॥ कि॥ टी॥ ॥ क॥ र्वा॥ य॥ प॥ जि

[illegible][illegible]

[illegible]

स्तुतिरुपवर्णनम्बोधो विदुर्द्वन्द्वदत्तवत्सा माह विमनस्क शय सुन्या विकनगि। उल्लस्य। विस्मयादवदर्शक स्त्रिणा विलूयशाब्ददार्थादि
 लयगि। नूनरिमृश विमृश शननन ने। विप्रकश क्रपाव न्यो विनष्टोद नगविना कनी यो क न्या। (मीय) विप्रकश॥ नराह। यो यो क्यवच
 नरय क क (प्रकारि विविस्त व्यक्तादि कर्मग्रह नितय सामाधिक्रियानि निव्यामी सदानाना राव सा डा हिमृत्वा डा कर्म विस्मययति
 काननिर्दग्गम किमर्थादासु। नोद प्रत्यय मय सज्जुन स्य (र्थयूवर्तग। यो यो नरादि तम मना प्रक्यो। नरा कों क गि। वच्य द। नरा मृध गि वयने।
 रथ। नरादिष्ठ श वाक्य प्रयय गि। प्रथे। नरा लिं गय गि। न गि वि। यो। नरा क्रमानय ग श पा विना सा। नरा विन कटाट नै। दृक्। नरा हर्ग। नरा पि
 कर्म मि। नरा गग कर्तु। ग्रह (सा। नरा लम्ब लं। नितये। नरा व स र्ध। सा मीया नरा स नै क त्या मी। विप्रियो यो। नरा म्भ सय गि। निमल (सा। नरा रुं क। निरुलो।
 नानमचमि। नरा मिधि। नरा रु। नरा दाने। नरा वरु यसायने नन रुधि। नरा पीत मृद क गि क्कारि श स्य द्रा यो। म स्या म ल मा क्य गि। नरा रि मृत्वा। नरा स

[illegible][illegible]

निर्दिष्टः ॥ पविः समन्तात्वा यथापि दाया रथानदपवमरुवस्य पूजावर्जननिवास यावि (म) कनी रत्नास्य यदीत्ययमप्यसम्भूतं च
(प) वरुणं । समन्तात्वा यथापि गुमणि । यनिगनाश्चिदावा रथाना पवि रयणि दवदहं ॥ उपवमं । पवि पूजुं कुरु ॥ रथ (म) यनि कनातिक
न्या पूजां । पवि वनति गुनं । वरुणा यनि विगर्हि रथा दृष्टा दवध न्नासिं गनापवि । न्नासिं गयनिक न्यां । रथि वास । यनि मानं । रथा (म) यनि पीठा रथा
दाहा रथ कापनि दवा ॥ वीष्ठा या । दृष्टं रयणि केति । रथ (म) यनि निविष्टः ॥ ॥ उया । समीप सामानार्थ यापि उय दमदा वा रथा । दा क्रि स्थिति । २०
प्रा न्नमृ पूजा न द्वा गपमव (म) वा उय त्वय मय सन्तु जग च (प) वरुणं । समीष्ट ॥ उपकुरुं । मानार्थ । उय कना गि दवदहं ॥ प्या फो । उय ग
नाश्चिष्ट उपद (म) । उय गि दवदहं ॥ दा । वा रथान । उय यान ॥ न्नाद । न । उय दवति दवदहं ॥ दा क्रि । उय त्वमाह उय वाचयणि । न्ना न्ना । उ
पक्रमं र्हाकुं । पूजायां । उयानीन ॥ न द्वा (म) । उय यत्माह । न्ना य । उय मकथनी न (म) । उय वग ॥ ॥ न्नादाया फी द्वा वचन रय वाक् (म) व न

रिनिवि समीप कल्याण क्रिया निमलु फा निरुह याधिन रुक्म न्नादिकर्म मिश्र रुक्म निलय न्नागी नादान न्ना न्ना वस्य द्वा न्ना रि मुख उद्ध कर्म दि
स्त्राय पुनि द्वा निर्द गम कि मर्यादा स । न्ना दृष्टं यय मय सन्तु जग च (प) वरुणं । या फो । न्ना सादित ववन न्ना द्वा । न्ना को रुने । वचन न्ना र्म
कृति कन वं । री रुया । न्ना दिष्ट ॥ वाक् । न्ना द्वा पयति । (म) । न्ना सिं गयति । न्ना रि वि (म) । न्ना द्वा गयति । समीप । न्ना सने । क (म) । रं । क्रिया
यी न्ना मा स गति । मलु (म) । न्ना मलु स गति निरुह । न्ना नामयति । याधिन ना गगन ॥ स्त्राय कपट ना द्वा । न्ना दृष्टं । न्ना दि कर्म मा । न्ना न्ना रुक्म
कडु न्ना रु (म) । न्ना लु न्ना निलय । न्ना वस्य ॥ न्ना गि मि । न्ना रु । न्ना दान । न्ना दहं उ सावनी । न्ना रुक्म । न्ना यी गम दहं । ल्य द्वा यी । मलु मलु मा द्वा य
ना न्ना रि मुख । न्ना गम गति । उद्ध कर्म मा । न्ना माह निरुह प्य क द्वा दि स्त्राय । न्ना न्ना दि ना । पुनि द्वा यी । न्ना स्य मान ॥ निर्द (म) । न्ना दि स गि म क्म । न्ना
कमनं गग र्म वलु मा ॥ मर्यादा स । न्ना दृष्टं । न्ना वदु माना व द्वा दव ॥ ॥ उय स (म) । न्ना व (म) । वलाद न्ना नी यना ग द्वा गलि र्मा यूर्य

[illegible][illegible]

[illegible]

सलाया॥ नंसाकवग॥ रुमिषु॥ रुनं वस्त्रान॥ कुरु सरुत॥ यानधुनधूप॥ साधवयामन॥ ॥ सगलाया॥ यानपाटस्त्रान॥ विरुगिवग॥
 कुरुगुधुधूप॥ कुरुसरुत॥ रुमिषु॥ रुनं वस्त्रान॥ कुरुनधूप॥ कुरुमसरुत॥ रुमल चरुदस नावगियाम
 न॥ ॥ वगुमिलाया॥ रुनं कुरुमवग॥ लासास्त्रान॥ सदकासव्या॥ नावायमसरुत॥ रुनगियामन॥ ॥ वदलाया॥ श्रीरुधुवग॥ नंसाकस्त्रा
 न॥ कुरुजगसासिधुव॥ रुमयागियामन॥ ॥ नकुलाया॥ वानगंठवनयग॥ ययुस्त्रान॥ वयससरुत॥ रुमयगियामन॥ ॥ दिगलाया॥
 वक्रवतुनयग॥ रुजिगिस्त्रान॥ यानसरुत॥ कुरुसाधुव॥ रुमगंठवनयग॥ ॥ रुधिलाया॥ श्रीरुधुवग॥ कुरुवीनस्त्रान॥ रुधुन
 सरुत॥ रुदामासिधुव॥ नसाककगियामन॥ नसाकवकनदयक॥ रुप्रिमयगियामन॥ ॥ रुलुलाया॥ श्रीरुधुवग॥ कुरुययगंठवनयग॥ रुय
 माग्नस्त्रान॥ मिदिसरुत॥ यानपाटगियामन॥ ॥ कगिलाया॥ कुरुययगंठवनयग॥ रुधुनस्त्रान॥ नातिरुमसरुत॥ रुधुनरुधुव

[illegible]

यत्तु यत्तिमृत्तिके ॥ लाहर्गकुम्भीयवृक्षः पुष्पा ॥ गाल्मलीनदी नृनिपुणवनकेवनादवावरुभवय ॥ ॥ गामिर्गन्तव्यकानं ॥ नृचगा
 मिर्गनिपागचवा ॥ महाभोववकोनवीनफर ॥ यकुसुमीयपुनवाययन ॥ महाविश्वय, महाकलालुनमीयन ॥ गपना नृयादिदा
 हानक ॥ संपुता, पुनः कुलीपाक ॥ संपुता नृयनमेवृक्षद्विजवेदुनामवसंस्मानं ॥ काकासायगकाकेरुक्रम ॥ कृष्णलवयू पी प
 मिमृत्तिकायगपुत्रीषर्गन्विमृत्तिका ॥ लाहर्गकुम्भीयवृक्षद्विजवेदुनामवसंस्मानं ॥ यकुसुमीयपुनवाययन ॥ गाल्मलीनदी नृनिपुणवनकेवनादवावरुभवय ॥ ॥ गामिर्गन्तव्यकानं ॥ नृचगा
 यत ॥ नदिचनवेदी ॥ नृनिपुणवननाम, यत्तेयगविदीर्यन ॥ लाहर्गकुम्भीयवृक्षद्विजवेदुनामवसंस्मानं ॥ यकुसुमीयपुनवाययन ॥ गाल्मलीनदी नृनिपुणवनकेवनादवावरुभवय ॥ ॥ गामिर्गन्तव्यकानं ॥ नृचगा
 १ सधु, सिरुविचि, मृक्, कठगुति, कठवा, द्वामल, गैष्ठा, कवनि, चतुर्विषय, नृनिपुणवननाम, यत्तेयगविदीर्यन ॥ लाहर्गकुम्भीयवृक्षद्विजवेदुनामवसंस्मानं ॥ यकुसुमीयपुनवाययन ॥ गाल्मलीनदी नृनिपुणवनकेवनादवावरुभवय ॥ ॥ गामिर्गन्तव्यकानं ॥ नृचगा
 गठुडा, सिनधु, यदुवन, द्वावृक्ष, चतुर्विषय, नृनिपुणवननाम, यत्तेयगविदीर्यन ॥ लाहर्गकुम्भीयवृक्षद्विजवेदुनामवसंस्मानं ॥ यकुसुमीयपुनवाययन ॥ गाल्मलीनदी नृनिपुणवनकेवनादवावरुभवय ॥ ॥ गामिर्गन्तव्यकानं ॥ नृचगा

लेगला

प्रसि

रश्मीगणेशाय नमः॥ इक्ष्वाकुः कदु दुग्धी स्यात्तुंवालावुहं भेसमे॥
तपस्विनी जगमासी जटिला लोमसा मिषी॥

रश्मीगणेशाय नमः॥ पती लान उलूक मुवाय साला लिप्यवको॥
वाघु ८४ स्या रुन द्वा रुखं जरी ८ सुखं रुन॥

आशा मन्त्र काथि

1904

I

ASIA ARCHIVES

१३९